Chap-8

अष्टम् अध्याय :

भारत के विभिन्न प्रांतों में रंगसंस्थायें

भारत के विभिन्न प्रान्तों में रंग संस्थायें

कालिदास अकादमी :

विश्वविश्रुत महाकवि कालिदास की स्मृति के प्रति पुष्पांजलि स्वरुप कालिदास जयन्ती के रुप में 1928 से प्रारम्भ हुए कालिदास समारोह नं सन् 1958 तक आते-जाते अखिल भारतीय स्वरुप प्राप्त कर लिया था । फिर साहित्य, कला और शास्त्र के बहुआयामी समारोह के प्रतिफलन के रुप में सन 1979 में कालिदास अकादेमी ने आकार लिया । अपनी स्थापना से ही अकादेमी कालिदास की कृतियों पर केन्द्रिय सर्जनात्मक शोध और नूतन अनुशीलन के साथ ही अन्तरानुशासनिक दृष्टि से भारत की समूची शास्त्रीय परम्परा के रेखांकन के लिए समर्पित रही है ।

कालिदास समारोह तथा अन्य कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों के दौरान अकादेमी ने महत्वपूर्ण नाट्यप्रयोग किए हैं । अकादेमी ने सन 1979 में बाल वर्ष में दो बाल नाटकों संस्कृत में 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' (निर्देशक-आचार्य श्रीनिवास रथ) और हिन्दी मे बालचरितम् (निर्देशक-श्री रवि शर्मा) तथा संस्कृत हिन्दी में सुश्री शान्ता गांधी के निर्देशन में 'ऊरुभंगम्' का प्रभावी रंगप्रदर्शन किया । सन 1980 में कालिदास अकादेमी द्वारा आयोजित रंग प्रशिक्षण शिविर के दौरान कावम् नारायण पणिक्कर के निर्देशन में भास विरचित नाटक 'दूतवाक्यम्' तैयार किया गया, जिसकी प्रस्तुति 1980 के अखिल भारतीय कालिदास समारोह की उपलब्धि बनी । सन 1981 में अकादेमी ने भार विरचित 'कर्णभारम्' मूल संस्कृत में धीरेन्द्रकुमार के निर्देशन में प्रस्तुत किया । इसी वर्ष कालिदास समारोह में अकादेमी ने भास के ही संस्कृत नाटक 'स्वप्नवासवदता' की मालवा के लोकनाट्य 'माच' की शैली में रंग प्रस्तुति 'सपना में रानी' (रुपान्तर-श्री हरीश निगम) की, जिसका निर्देशन आचार्य श्रीनिवास रथ और श्री संजीव दीक्षित ने किया था ।

सन 1982 में अकादेमी ने संस्कृत नाट्‌ के अनुरुप प्रदर्शन शैली की तलाश

में महत्वपूर्ण प्रयास किया, जिसके अन्तर्गत कालिदास विचरित - विक्रमोर्वशीयम्' के चतुर्थ अंक का रंग-प्रदर्शन तीन अलग-अलग निर्देशक को अपनी-अपनी विशिष्ट शैली मे किया । ये निर्देशक थे - अकादेमी के तत्कालीन निर्देशक और संस्कृत रंगविद् डॉ. कमलेशदत्त त्रिपाठी, सुविख्यात निर्देशक कावलम् नारायण पणिक्कर (त्रिवेन्द्रम्) तथा रतन थियम् (इम्फाल) । सन 1982 के कालिदास समारोह में अकादेमी ने डॉ. प्रभाकुमार भट्टाचार्य के निर्देशन में कालिदास के 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' को मूल संस्कृत-प्राकृत में प्रस्तुत किया । सन 1983 में अकादेमी ने कालिदास समारोह में डॉ. प्रभातकुमार भट्टाचार्य के निर्देशन में विशाखदत्त का 'मुद्रारक्षसम्' मूल संस्कृत प्राकृत मे खेला । सन 1984 में अकादेमी ने बंसी कौल के निर्देशन में भट्टनारायण कृत संस्कृत नाटक 'वेणीसंहारम्' की प्रस्तुति की ।

सन 1985 में अकादेमी ने विभिन्न रंग परस्पराओं में निहित 'पूर्वरंग' के पद्धतियों की प्रस्तुति का अवसर जुटाया, जिसमे देश की अनेक लोक एवं शास्त्रीय रंग-शैलियों से सम्बद्ध निर्देशकों ने प्रदर्शन किये ।

सन 1989 में कालिदास अकादेमी ने कालिदास समारोह में हिन्दी नाटककार एवं कवि जयशंकर प्रसाद की जन्मशती के प्रसंग पर पहली बार फिर हिन्दी में प्रसाद के 'चंद्रगुप्त' नाटक का प्रदर्शन किया, जिसका निर्देशन धीरेन्द्रकुमार ने किया था । सन 1992 में अकादेमी ने धीरेन्द्रकुमार के निर्देशन में 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्'. की प्रस्तुति की, जिसमें संस्कृत के साथ प्राकृत के स्थान पर पात्रानुरुप हिन्दी एवं मालवी का सार्थक प्रयोग हुआ था । सन 1993 में अकादेमी ने धीरेन्द्रकुमार के निर्देशन में 'विक्रमोर्वशीयम्' की संस्कृत-हिन्दी रंग प्रस्तुति की । सन 1995 में अकादेमी को तत्कालीन निर्देशन एवं वरिष्ठ रंगकर्मी डॉ. प्रभातकुमार भट्टाचार्य के निर्देशन में शूद्रक कृत संस्कृत नाटक 'मृच्छकटिकम्' को पात्रानुरुप हिन्दी की सात बोलियों के सार्थक प्रयोग के साथ प्रस्तुत किया । संस्कृत रंगपरम्परा के पुराविश्कार की दिशा में प्रवृत्त कालिदास अकादेमी ने 1998 में युग रंगकर्मी चेतन पंडित के

निर्देशन में कालिदासकृत 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्'+की प्रस्तुति की । इस वर्ष राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नयी दिल्ली के सहयोग के अकादेमी द्वारा श्री सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ के निर्देशन में 'मुन्दमाला' नाटक इसी की अगली कड़ी के रुप में प्रस्तुत है ।

कालिदास समारोह

रंगजगत के मूर्धन्य कलाकार और आन्तरराष्ट्रीय प्रसिद्धि प्राप्त प्रकाश विशषज्ञ तापस सेन का, 'कालिदास सम्मान समारोह 1998 में पार्श्वमंच से जुड़े कलाकारों के लिये विशेष हर्ष का प्रसंग बन गया । तापस सेन पार्श्वमंच के महानायक कहे जाते हैं । रंगमंच पर कला प्रदर्शन की सफलता में पार्श्वमंच के कलाकारों की अहम् भूमिका होती है । कालिदास समारोह के पार्श्वमंच में रहकर अपने परिश्रम एवं प्रतिभा से समारोह की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान करने वाले कलाकारों की अपेक्षा बहुत कम ही हो पाती है । कालिदास समारोह के पार्श्वमंच के श्री भगवती प्रसाद शर्मा है जो विगत चार दशक से लगातार अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं । कालिदास में मंच और प्रेक्षागृह की रचना में उन्होंने महारत हासिल की है । कालिदास समारोह 1998 में भी आकर्षक और भव्य रंगमंच की रचना उन्हीं के निर्देशन में हुई । जिस मंच पर तापस सेन को कालिदास सम्मान प्राप्त हुआ उसकी कल्पना भी भगवती शर्मा ने ही की थी । पार्श्वमंच के महानायक को उपने रंग मंच पर सम्मानित होते देखकर भगवती शर्मा अभिभूत हो गये । उस समय इसका बहुत कुछ प्रभाव उन कलाकारों पर भी पड़ा जो वहाँ खड़े प्रकाश व्यवस्था में जुटे थे । यह खुशी स्वाभाविक तौर पर रवीन्द्र देवलेकर को भी हुई जो 1998 के कालिदास समारोह में आलोकन कर रहें थे ।

चार दशक में रंगमंच पर आलोकन की परिभाषा ही बदल गई है । नये-नये यन्त्रों के आने से इसमें बहुत कुछ बदलाव आये हैं । रंगमंच संयोजक श्री भगवती शर्मा के अनुसार - '1958 में कालिदास समारोह आरंभ हुआ तब सामान्य विद्युत प्रकाश में पर्दे और सेट लगाकर सांस्कृतिक प्रदर्शन किये जाते थे । साठ के दशक

में म.प्र. कालिदास परिषद से आये उपकरणों का प्रयोग होता रहा । प्रख्यात रंगकर्मी भाऊ खिरवडकर प्रतिवर्ष भोपाल से अपने साथ प्रकाश उपकरण लाते थे, और ले जाते थे । पं. गोपीनाथ शास्त्री डॉ. व्ही राधवन जैसे संस्कृत साधन जब कालिदास के नाटक कालिदास समारोह उपस्थित करने आये थे तब वे प्रकाश उपकरण भी अपने साथ लाये थे । समय-समय पर कुछ नाट्यदल भी अपने साथ प्रकाश उपकरण लाते रहे हैं । विजया महेता और मृणालिनी साराभाई की प्रस्तुतियाँ उनके साथ लाये गये प्रकाश उपकरणों के प्रयोग के साथ ही कालिदास समारोह में हुई । राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और भरत भवन ने भी अपने नाट्‌य प्रदर्शनों में अपने प्रकाश उपकरणों से यहँ चमकृत किया"

सन 70 के दशक में कालिदास समारोह के रंगमंच पर आलोकन की नयी तकनीक का सूत्रपात हुआ । प्रख्यात प्रकाश विशेषज्ञ व्ही राममूर्ति के निर्देशन में आलोकन की नयी कल्पना और तकनीक का यहँ प्रवेश हुआ । सन 1974 का वर्ष कालिदास समारोह के पुनराविष्कार का वर्ष रहा । इसी वर्ष रंग प्रभात द्वारा पहली बार आयोजित पांच दिवसीय नाट्य समारोह में युवा रंगकर्मी सुशील जोशी और देवेन्द्र परमान आलोकन के क्षेत्र में उभरे और विक्रम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रथम रंगशिविर में भी उन्होनें आलोकन का ही प्रशिक्षण प्राप्त किया था। रंगशिविर में व्ही राममूर्ति थे और उनके निर्देशन में देवेन्द्र और सुशील ने कालिदास समारोह 1974 में आलोकन में उल्लेखनीय योगदान किया था । स्व. धीरेन्द्र कुमार और स्व. संजीव दीक्षित की याद भी कालिदास समारोह के आलोकन से जुड़ी है । कालिदास अकादमी के अन्तर्गत इस समारोह का आयोजन हर वर्ष किया जाता है । नाट्‌य हो या फिर नृत्य नाटिका, सभी में प्रकाश संयोजन का कार्य कुशल संयोजक के हाथ में होता है । 1981 से 1989 तक के सफर मे वेणु गांगुली द्वारा ही इस समारोह में रंगमंच पर आलोकन किया गया । यही एक एसा समारोह है जहाँ बाहर के सभी प्रांतीय भाषायों में नाटक जो मूलत: कालिदास के नाटक होते हैं खेले जाते हैं । नृत्यनाटिका सो मूलत: कालिदास के नाटक होते हैं खेले जाते हैं । नृत्यनाटिका व अन्य नृत्यों

में भी इस आलोकन की आवश्यकता तो रहती ही है, अतः जितने दिने यह समारोह चलता है । उतने दिन ही प्रकाश संयोजन में यहाँ के कलाकार तत्पर रहते हैं । 1990 से 1993 के कालिदास समारोह में राजेन्द्र अवस्थी ने रंगमंच को आलोकित किया। रवीन्द्र देवलेकर तब तक इस समारोह में सहयोगी के रूप में सक्रिय योगदान देते रहे । व्ही राममूर्ति ने अपने नाट्य निर्देशन में भी रवीन्द्र को ही इस समारोह में आलोकान का कार्यभार सौंपा। वे तो 1984 से ही पार्श्वमंच से जुड़े हुये हैं ।

''कालीदास अकादमी द्वारा बंसी कौल के निर्देशन में ''वेणीसंहारम्'' की नाट्य प्रस्तुति में वे भी मंच पार्श्व में कलाकार रहे थे । स्व. धीरेन्द्र कुमार के शिष्य रवीन्द्र देवलेकर अपने गुरु के निर्देशन में कालिदास समारोह 87 में ''विश्वविजेता'' 1988 में ''नेरावनराम'' 1989 में ''चंन्द्रगुप्त'' 1991 में ''मुद्राराक्षस'' 1992 में अभिज्ञानशकुन्तलम् और 1993 में विक्रमोर्वशीयम् की नाट्य प्रस्तुतियों से जुड़े रहे हैं। अभिनय और सहनिर्देशन के अलावा आलोकन में भी उन्होंने अधिक योगदान दिया है । पचास से भी अधिक नाट्य प्रस्तुतियों में वे आलोकन कर चुके हैं । 1996 समारोह में आलोकन का पूर्ण दायित्व रवीन्द्र देवलेकर ने ही निर्वाहा है और आज भी विभिन्न नाट्यदलों की अपेक्षा के अनुरुप प्रकाश संयोजन कर रहे हैं ।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय रंगमंडल

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय रंगमंडल की शुरुआत 1964-65 में चार अभिनेताओं को लेकर एक नये प्रयोग के रुप में हुई थी । सातवें दशक के उत्तरार्द्ध में रंगमंडल के विकास एवं विस्तार का श्रेय श्री अल्काजी को जाता है । वे 1970 तक विद्यालय के निर्देशक भी रहे । यह रंगमंडल केवल चार कलाकारों के साथ आरंभ हुआ और फिर विद्यालय मे अन्य स्नातक अभिनेता, संगीतकार एवं तकनीकी कलाकार इससे जुड़ते चले गये । प्रारंभ में स्वर्गीय श्री ओमशिवपुरी ने रंगमंडल की बागड़ोर अपने हाथ में ली थी । 1977 में इसे जब रंगमंडल बनाने का श्रेय मिला तो श्री मनोहर सिंह ने प्रगति रंगमंडल प्रमुख का भार संभाला और रंगमंडल को देशभर में पहुँचाया । वे

इस पद पर 1985 तक रहे और इन वर्षो में रंगमंडल ने विविधता पूर्ण प्रदर्शनों पर अधिक बल दिया जिनमें संगीत प्रधान, यथार्थवादी, प्रयोगशील, एवं समसामायिक भारतीय नाटकों से लेकर अन्य विदेशी भाषाओं के नाट्यों के रुपान्तरणों को सफलता के साथ मंचित किया ।

रंगमंडल भारत में दिल्ली एवं कई अन्य बड़े शहरों में प्रदर्शन कर चुका है साथ ही जर्मनी, पौलेण्ड, ब्रिटेन तथा नेपाल आदि में इनके प्रदर्शन होते रहते हैं ।

दिल्ली में इस विद्यालय का अपना एक स्टुडियो थिएटर और मेधदूत नामक एख आकर्षक मुक्ताकाशी रंगमंच भी है । जिसमें नाटक की आवश्यकतानुसार माहौल पैदा कर देने वाले विशेष गुण हैं तथा इसने रंगशैलियों में प्रस्तुत उन सभी प्रस्तुतियों को समुद्ध किया है जो यहाँ प्रदर्शित की गई हैं । ऐतिहासिक स्मारकों और खण्डहरों का मंच के रुप में इस्तेमाल रंगमंडल की विशिष्ट उपलब्धियों में से एक है जिसने हिन्दुस्तान के रंगकर्म को एक नयी दृष्टि और दिशा प्रदान की है ।

रंगमंडल ने 1992-93 में दिसम्बर जनवरी महीने में राकेश नाट्य समारोह के आयोजन में मोहन राकेश को बीसवी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजली स्वरुप उनके चारों पूर्णकालिक नाटकों का और उनकी कुछ कहानियों को मंचित किया ! राकेश की मृत्यु के पश्चात यह पहला अवसर था अब अनके समस्त नाटकों और कहानियों का मंचन इस प्रकार एक साथ हुआ !

श्री रंगमंडल अब तक 50 से अधिक विख्यात निर्देशकों के साथ काम करते हुए विश्वभर के नाटककारों की 120 से अधिक नाट्यकृतियों का मंचन कर चुका था ।

श्री रंगमंडल की 1991 में रजत जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित प्रदर्शनी

रंगयात्रा जिसमें छायाचित्र, वेशभूषा, मंच सामग्री पोस्टर मॉडर आदि प्रदर्शित है, आज भी रविन्द्र भवन दिल्ली में आकर्षण का केन्द्र बनी हुई हे ।

यह रंगमंडल विश्व नाट्य साहित्य की धरोधर के अतिरिक्त नई नाट् य रचनाओं, कविता, कहानी, कथा अन्य, विद्याओं के मंच प्रयोग भी अपनी फिझ गतिविधियों के अन्तर्गत प्रस्तुत करता आ रहै है ।

जिन अभिनेताओं एवं अभिनेत्रियों ने रंगमंडल के साथ कार्य किया है उनमें स्वर्गीय ओम शिवपुरी, सुधा शिवपुरी, मीना विलियम्स, मोहन महर्षि, अंजला महर्षि, रामगोपाल बजाज, कमलाकर सोनटक्के, राजेन्द्र गुप्ता, उषा बॅनर्जी, उत्तरा बावकर, मनोहर सिंह, सुरेखी सीकरी, ज्योति देशपांडे, राजेश विवेक, वसन्त जोसलकर, विजय कथ्यन, मधुमालती मेहता, सुधीर कुलकर्णी, पंकज कपूर, लधुवीर यादव, विरेन्द्र राजदान, राजन बुन्देला, के. के. रैना, दीपक काजिर, अनंग देसाई, जी. पी. नामदेव, डौली आहलूवालिया, अनिता सिंह, युवराज शर्मा, ललित तिवारी, लोकेन्द्र त्रिवेदी, हिमानी शिवपुरी, नूतन सूर्या, हेमा सिंह, श्री वल्लभ व्यास, अनुपम श्याम, सीमा विश्वास आदि ।

अन्य महत्वपूर्ण कलाकार जो केवल कुछ समय के लिये ही रंगमंडल से जुड़ पाये वे एम के रैना, नसीरुद्दीन शाह, ओमपुरी, अनुपम खेर, जोहरा सहगल हैं ।

''युगमंच रंगसंस्था''

युगमंच नाट् यसंस्था पिछले २५ वर्षों से सतत सक्रिय उत्तरभारत का महत्वपूर्ण रंगमंडल है, अपनी लम्बी रंगयात्रा में युगमंच ने विकास और परिवर्तन की अनेक मंजिले पार की । कई उल्लेखनीय कालाकार पैदा किये, अनेक इसे छोड़ गये तो कई नये हमसफर बने और युगमंच का कारवाँ अभी तक रुका नहीं । युगमंच से थियेटर का अक्षरज्ञान लेकर कई रंगयात्री राष्ट्रीय नाट् विद्यालय, पुणे फिल्म इंस्टीट्यूट,

इंडियन थियेटर, चंदीगढ, भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ, श्रीराम आर्ट सेन्टर और हिमाचल सांस्कृतिक शोध संस्थान व रंगमंडल मण्डी जैसी रचनामूर्धन्य संस्थाओं से गुजरते हुए फिल्म और टेलीविजन की दुनिया के सितारे बन गये ।

युगमंच का प्रयास रहा है कि अच्छे नाटकों का मंचन हो जिससे दर्शकों में सुसंस्कृति का रुझान और कलाकारों में अभिनय के प्रति गंभीरता पैदा हो । पिछली एक चौथाई सदी में युगमंच के न सिर्फ दर्जनों अविस्मरणीय नाटक, नाट्य समारोह, कार्यशालायें, प्रतियोगितायें, काव्य, गजल, सभायें आयोजित की बल्कि होली महोत्सवों जैसी महत्वपूर्ण पहल के जरिये कुमाऊ के लुप्तप्राय लोक पारम्परिक होली गायन को नया जीवन दिया । अपने विकास क्रम में युगमंच एक नाटक मंडली की सीमा लांध कर अनौपचारिक नाट्य विद्यालय के रुप में विकसित हुआ है ।

अपने जन्म से अबतक युगमंच ने परम्परागत व आधुनिक शैलियों में किये गये लगभग 100 नाटकों के द्वारा हिन्दी रंगमंच में अपना स्थान बनाया है । इनमें अंधायुग, अंधेर नगरी, मैन विदाउट शैडो, कबिरा खडा बाजार में, इडिपस, हॅमलेट नाटक जारी है, अजुबा बफौल, नगाड़े खामोश हैं, जिन लाहौर नई देखा, चन्द्रहास, तीन कैदी, बेगार, बड़ा साहब, महर ठुकरों का गांव जैसी प्रस्तुतियों ने संस्था को विशेष पहचान दी ।

युगमंच ने समय-समय पर नाट्य कार्यशालाओं व शिबिरों का अयोजन किया, जिनमें राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, व उ.प्र. संगीत नाटक अकादमी का विशेष सहयोग रहा है । 1990 में प्रख्यात रंगकर्मी सफदर हशमी की स्मृति में नुक्कड़ नाटक समारोह मनाया गयै । जिसमें देश की कई नामी गिरामी संस्थाओं ने हिस्सेदारी की थी ।

DRAMA/THEATRE

Drama	Historical	Social	सोशियल
Puranic	पौराणिक	Biblical	Dramatic Arts ड्रामेटिक आर्ट
Acting Course एक्टिंग कोर्स		Dramatics	Folk theatre फोक थिएटर
Direction	डायरेक्शन	Bhand Pattern	Yakshagana
Personality Development		Mime माईम	Acting एक्टिंग
Movement & Expression		Ricilation	Script Performance

MUSIC / VOCAL

Bhavgeet	भावगीत	Light Music	Nazrul Geeti
Bhavgeet		Rabindra Sangit	CommunitySong
Ghazal	गजल	Harikatha Folk	
Solo Singing (W.P.)		Folk Songs	Sugam Sangeet
Shastriya Sangeet		Vhab Sangeet	Karnataka
Atul Frasad Sangeet		Hindustani Western	
Dwujendra Geet			

MUSIC / INSTRUMENTAL

Violin वायोलिन	Harmonium हार्मोनियम	Dilrubaदिलरुबा
Mridangam मृदंगम	Manddin मेन्डिन	Sarangi सारंग
Veena वीणा	Flute फ्लूट	Piano (Western) प्यानो
Chenda चेंदा	Ghatam घटम	Pakhawats पखावज
Maddalam	Tavit तावीत	Longo लोंगो
Tabla तबला	Kanjira कजीरा	Bongo बोंगो
Guitar गिटार	Sarod सरोद	Collo (Western)
Sitar सितार	Braj ब्राज	Citra Veena
Mazhavu	Timila तमीला	

भारत की मान्यता प्राप्त रंगसंस्थायें जो विभिन्न प्रदेशों में फैली है उनमें प्रमुख हैं ।

ORISSA ओरिसा

Name of Institute		Places
1.	Bhanja Kala Kendra	Rurkela
	भांजा कला केन्द्र	रुरकेला
2.	Chitrada Dakshinsahi Chhonurtya	Chitrad
	चित्रद दक्षिणसाही चौनृत्य प्रतिष्ठान	चीत्रद
3.	Daskathia Training and Research Centre	Ganjam
	दसकाथिया ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च सेन्टर	गंजम
4.	Kala Vikas Kendra	Katak
	कला विकास केन्द्र	कटक
5.	Nrutya Sangeet Kala Mandir	Balasore
	नृत्य संगीत कला मंदिर	बालासोर
6.	Satyabadi Sangeet Madhavidyalaya	Puri
	सत्यवादी संगीत महाविद्यालय	पुरी
7.	Utkal College of Music & Dance	Katak
	उत्कल कॉलेज ऑफ म्यूजिक एण्ड डान्स	कटक

ANDHRA PRADESH आन्ध्र प्रदेश

Name of Institute **Places**

1. Department of Music D. K. Governemtn College of Women

Nelore

डिपार्टमेंट ऑफ म्यूजिक डी. के. गव्हरमेंट कॉलेज फार वूमन

2. Department of Performing Arts, School of Fine Arts telgues

University Hydrebad

	डिपार्टमेंट ऑफ परफॉरमिंग आर्टस	
	स्कूल ऑफ फाईन आर्टस तेलगू यूनिव्हर्सिटी	हैद्राबाद
3.	Kalakshatrama	Eluru
	कलाक्षेत्रम्	इलूर
4.	Hyderebad Puppet Theatre	Hydrebad
	हैद्राबाद पपेट थिएटर	हैद्राबाद
5.	Kuchipudi Art Academy	Hydrebad
	कुचीपुड़ी आर्ट अॅकेड़ेमी	हैद्राबाद
6.	Shree Padmavathi Womens College Dept. of Music	Tirupati
	श्री पद्मावती वूमन कॉलेज डिपार्टमेन्ट ऑफ म्यूजिक	तिरुपती
7.	Venkateshwara College of Music and Dance	Tirupati
	वेंकटेश्वर कॉलेज ऑफ म्यूजिक एण्ड डान्स	तिरुपती
8.	Shri Bhakta Ramdas Govt. College of Music and Dance	Secundrabad
	श्री भगत रामदास गव्हर्नमेंट कॉलेज ऑफ म्यूजिक एण्ड डान्स	
9.	Shri Chandrakala Nilayam	Gudi Vada
	श्री चंद्रकला निलायम	गुडिवडा
10.	Shri Siddhandra Kalakshetram Kuchipudi Centre	Movva Mandal
	श्री सिदधेन्द्र कलाक्षेत्रम् कुचिपुड़ीं सेंटर	

ASSAM आसाम

Name of Institute		Places
1.	Manipuri Sangeet Ashram	Singari
	मणिपुरी संगीत आश्रम	सिंगारी

CHANDIGARH चंदीगढ

Name of Institute		Places
1.	Pracheen Kala Kendra	Chandigarh
	प्राचीन कला केन्द्र	चंदीगढ

GOA गोवा

Name of Institute		Places
1.	College of Music	Champal
	कॉलेज ऑफ म्यूजिक	चम्पल
2.	Department of Western Music	Champal
	डिपार्टमेंट ऑफ वेस्टर्न म्यूजिक	चम्पल
3.	Faculty of Indian Music and Dance	Champal
	फेकल्टि ऑफ इन्डियन म्यूजिक एण्ड डांस	चम्पल
4.	Theatre Arts Faculty	Champal
	थिएटर ऑफ फेकल्टी	चम्पल

HARIYANA हरियाणा

Name of Institute		Places
1.	Department of music and dance, kurukshetra university	Kurukshetra
	डिपार्टमेंट ऑफ म्यूजिक एण्ड डान्स कुरुक्षेत्र युनिव्हरसिटी	कुरुक्षेत्र

HIMCHAL PRADESH हिमाचल प्रदेश

Name of Institute		Places
1.	Department of Performing Arts H. P. University	Shimla
	डिपार्टमेंट ऑफ परफॉरमिंग आर्टस एच. पी. युन्हिरसिटी	

JAMMU AND KASHMIR जम्मू एण्ड कश्मीर

Name of Institute		Places
1.	Institute of Music and Fine Arts	Exchange Road
	इन्स्टिट्यूट ऑफ म्यूजिक एण्ड फाईन आर्टस	एक्सेंज रोड
2.	Kashmir Bhand Theatre	Chandoor
	कश्मिर भांड थिएटर	चंदूर
3.	Veely Folk Theatre	Chandoor
	वेली फोक थिएटर	चंदूर
4.	National Bhand Theatre	Chandoor
	नॅशनल भांड थिएटर	चंदूर

GUJARAT गुजरात

Name of Institute		Places
1.	Faculty of performing Arts	Baroda
	फॅकल्टी ऑफ परफॉरमिंग आर्टस	बड़ोदा
2.	Darpan Academy of Perfoming Arts	Ahmedabad
	दर्पण अकेडमी ऑफ परफॉरमिंग आर्टस	अहमदाबाद
3.	Drama Department Gujarat College	Ahmedabad
	ड्रामा डिपार्टमेंट गुजरात कॉलेज	अहमदाबाद
4.	Kadamb Centre for Dance and Music	Ahmedabad
	कदम्ब सेन्टर फॉर डान्स एण्ड म्यूजिक	अहमदाबाद
5.	Mudra Institute of Performing Arts	Ahmedabad
	मुद्रा इन्स्टिट्यूट ऑफ परफॉरमिंग आर्टस	अहमदाबाद
6.	Puppets and plays	Ahmedabad
	पपेट एण्ड प्ले	अहमदाबाद

DELHI दिल्ली

Name of Institute		Places
1.	Bharatiya Sangeet Vidyalay	Kamla Nagar
	भारतीय संगीत विद्यालय	कमला नगर
2.	Bhoomika Creative Dance Centre	Vikas Marg
	भूमिका क्रियेटिव्ह डान्स सेंटर	विकास मार्ग
3.	Faculty of Music and Fine Arts Delhi University	Delhi
	फेकल्टी ऑफ म्यूजिक एण्ड फाईन आर्टस दिल्ली युनिव्हरसिटी	दिल्ली
4.	Gandharva Maha Vidyalay	Din Dayal Upadhyay Marg
	गंधर्व महा विद्यालय	दीनदयाल उपाध्याय मार्ग
5.	Kuchipudi Dance Centre	Pandara Road
	कुचिपुडी डांस सेन्टर	पंढारा रोड
6.	National School of Drama	Bhagwandas Road
	नॅशनल स्कूल ऑफ ड्रामा	भगवानदास रोड़
7.	"Rhythm" Pandanallur International School of Bharatnatyam	Pitampura
	रिदम पंडानेलूर इन्टरनेशनल स्कूल ऑफ भरतनाट्यम	पितमपूरा
8.	Rukamini Devi Lalit Kala Kendra	Pitampura
	रुक्मिणी देवी ललित कला केन्द्र	पितमपूरा
9.	Sangeet Bharati	Tansen Marg
	संगीत हाऊस	तानसेन मार्ग
10.	Sangeet Niketan	Ballimarna
	संगीत निकेतन	बेल्लीमारना
11.	Shri Ram for Art and Culture	College Road
	श्रीराम फॉर आर्टस एण्ड कल्चर	कॉलेज रोड़

KARNATAKA कर्नाटक

Name of Institute		Places
1.	Ayyanar College of Music	Mysore
	अय्यनर कॉलेज ऑफ म्यूजिक	मैसूर
2.	Department of Music, Dance drama Bangalore University	Bangalore
	डिपार्टमेंट ऑफ म्यूजिक, ड्रामा, बेंगलोर, युनि.	बेंगलोर
3	Hangarcutta Yashaganna Kala Kendra	Wirody
	हंगरकट्ट यशगान कला केन्द्र	वायरोड़ा
4.	Nupura	Bangalore
	नूपूरा	बेंगलोर
5.	Percussiv Arts Centres	Bangalore
	परस्यूसिव आर्टस सेन्टर	बेंगलोर
6.	Shri Ramalalitha Kala Centre	Bangalore
	श्री राम ललीता कला सेन्टर	बेंगलोर
7.	The Nisam Theatre Institute	Sagara
	द निसम थिएटर इन्स्टीट्यूट	सगारा

MADHYA PRADESH मध्य प्रदेश

Name of Institute		Places
1.	Adarsh Sangeet Mahavidyalaya	Khairgarh
	आदर्श संगीत महाविद्यालय	खैरगढ
2.	Kamaladevi Post Graduate College of Music and Dance	Raipur
	कमलादेवी पोस्ट ग्रेज्यूएट कॉलेज ऑफ म्यूजिक एण्ड डान्स	रायपुर
3.	Sharada Sangeetmala Vidyalaya	Jabalpur
	शारदा संगीतमाला विद्यालय	जबलपुर

PONDICHERY पॉन्डेचरी

Name of Institute		Places
1.	Sir Sankara Swamigal School of Drama	Pondichery
	श्री शंकरा स्वामीगल स्कूल ऑफ ड्रामा	पाँडेचरी

MANIPUR मणिपूर

Name of Institute		Places
1.	Avant Garde	Imphal
	अवन्त गार्डे	इम्फाल
2.	Cultural Training Institute	Imphal
	कल्चरल ट्रेनिंग इन्स्टिट्यूट	इम्फाल
3.	Sri Govindbhai Bhakti Grandha Kendra Vidyalaya	Imphal
	श्री गोविंदभाई भक्ति केन्द्र विद्यालय	इम्फाल

RAJASTHAN राजस्थान

Name of Institute		Places
1.	Ajmer Sangeet Mahavidyalaya	Ajmer
	अजमेर संगीत महाविद्यालय	अजमेर
2.	Kala Bharati	Alwar
	कला भारती	अलवार
3.	Sangeet Kala Kendra	Bhilwara
	संगीत कला केन्द्र	भिलवाडा
4.	Sangeet Natya Niketan	Udaypur
	संगीत नाट्य केन्द्र	उदयपुर

UTTAR PRADESH उत्तर प्रदेश

Name of Institute		Places
1.	Bhatkhande College of Hindustani Music	Lucknow
	भातखण्डे कॉलेज ऑफ हिन्दुस्तान म्यूजिक	लखनऊ
2.	Brij Sangeet Vidyapith	Mathura
	ब्रिजसंगीत विद्यापीठ	मथुरा
3.	Faculty of performing arts	Varanasi
	फॅकल्टी ऑफ परफॉरमिंग आर्टस	वाराणसी
4.	Indian Puppet Centre	Salakhan
	इण्डियन पपेट सेंटर	सालाखान
5.	Kushum Sangeet Mahavidyalaya	Azamgarh
	कुसुम संगीत महाविद्यालय	अजमगढ
6.	Nritya Sangeet Prashikshan Kendra	Agra
	नृत्य संगीत प्रशिक्षण केन्द्र	आगरा
7.	Saraswati Sangeet Mahavidyalaya	Sitapur
	सरस्वती संगीत महाविद्यालय	सीतापुर
8.	Swami Hasinamdas Sangeet Mahavidyalay	Azamagarh
	स्वामी हसीनामदास संगीत महाविद्यालय	अजमगढ

TAMILNADU तामिळनाडू

Name of Institute		Places
1.	College of Fine Arts Kalakshatra	Madras
	कॉलेज ऑफ फाईन आर्टस कलाकेन्द्र	मद्रास
2.	Department of fine arts avinashilingam home science college	Coimbatroe
	डिपार्टमेंट ऑफ फाईन अविनाशिलिंगम होम साइंस कॉलज	कोईमतूर

3.	Dept. of Music Queen Marys College	Madras
	डिपार्टमेंट ऑफ म्यूजिक क्विन मेरी कॉलेज	मद्रास
4.	Fine Arts Faculty, Tamil University	Thanjavur
	फाईन आर्टस फेकल्टी तामिल युनिव्हरसिटी	तंजावर
5.	Kuchipudy Dance Academy	Madras
	कुचीपुड़ी डांस अकाडमी	मद्रास
6.	Pushpanjali Nritya Kala Kendram	Madras
	पुष्पांजली नृत्य कला केन्द्रम्	मद्रास
7.	Sri Jayganesh Kala Vidya Vidyalaya	Madras
	श्री जयगणेश कला वाद्य विद्यालय	मद्रास
8.	Sri Sadguru Sangeetha Vidyalaya	Madras
	श्री सद्गुरु संगीत विद्यालय	मद्रास
9.	Tamilnadu Govt. Music College	Madras
	तामिळनाडू गर्व्ह. कॉलेज	मद्रास
10.	The teachers college of music, Music Academy	Madras
	द टिचर्स कॉलेज ऑफ म्यूजिक, म्यूजिक अॅके.	मद्रास

KERALA केरळ

Name of Institute		Places
1.	Art Reena	Trichur
	आर्ट रीन	त्रिचूर
2.	Department of Music, Kerala University	Trivendram
	डिपार्टमेंट ऑफ म्यूजिक, केरळा युनिव्हरसिटी	त्रिवेंद्रम
3.	Kala Bhavan	Cochin
	कला भवन	कोचीन
4.	Kerala Kalamandalam	Trichur

	केरला कलामंडलम्	त्रिचूर
5.	Margi	Trivendram
	मार्गी	त्रिवेंद्रम
6.	Nritanjali	Punalur
	नृतांजली	पुनालूर
7.	P.S.V. Natya Sangham	Kottackal
	पी.एस.व्ही. नाट्यसंधमकोट्टयाकल	
8.	Rigatta Cultural	Trivendram
	रिगट्टा कल्चरल	त्रिवेंद्रम
9.	R.L.V. College of Music of Institute of Fine Arts	Tripunithurna
	आर.एल.व्ही. कॉलेज ऑफ म्यूजिक ऑफ इन्स्टीट्यूट ऑफ फाईन आर्टस	त्रिपूनीथुरना
10.	School of Drama University of Calicut	Trichur
	स्कूल ऑफ ड्रामा युनिव्हरसिटी ऑफ कलिकत	त्रिचूर
11.	Shri Swati Tirunal College	Trivendram
	श्री स्वाति तिरुनल कॉलेज	त्रिवेंद्रम
12.	Shree Thyagaraja Smarak Sangeetha Kalayam	Pundur
	श्री त्यागराज स्मारक संगीता कलायम	पुंदूर
13.	Unnai Carrier Smaraka Kalanilayam	Irignalakkue
	उली करियर स्मारका कलानिलायम	
14.	Vishwakal Kendra	Trivendram
	विश्वकला केन्द्र	त्रिवेंद्रम

MAHARASHTRA महाराष्ट्र

Name of Institute		Places
1.	Bharatiya Sangeet Nartan Sikshapeeth	Mumbai
	भारतीय संगीत और नर्तन शिक्षापीठ	मुंबई
2.	Dept. of Music University Bombay	Mumbai
	डिपार्टमेन्ट ऑफ म्यूजिक यूनि. ऑफ बोम्बे	मुंबई
3.	Deodhars School of Indian Music	Mumbai
	देवधर स्कूल ऑफ इण्डियन म्यूजिक	मुंबई
4.	Kala Bharati Art School	Mumbai
	कला भारती आर्ट स्कूल	मुंबई
5.	Kutch - Kladaur	Mumbai
	कच - कलादोर	मुंबई
6.	Manipur Nartanalya	Mumbai
	मणिपूर नृत्यालय	मुंबई
7.	Music Triangle	Mumbai
	म्यूजिक ट्राएंगल	मुंबई
8.	Naritya Bharati	Pune
	नृत्यु भारती	पुणे
9.	Sachin Shankar Ballet Unit	Mumbai
	सचिन शंकर बालेट यूनिट	मुंबई
10.	Sangeet Mahabharati	Mumbai
	संगीत महाभारती	मुंबई
11.	Shishurangan	Pune
	शिशुरंगम	पुणे
12.	S.N.D.T. Womens Uni. Dpt. of Music	Mumbai
	एस.एन.डी.टी. वूमन्स यूनि. डिपार्ट. ऑफ म्यूजिक	मुंबई

संदर्भ ग्रंथ सूचि

1. कालिदास समारोह वृत्तांत-1999 पृ. 29
2. वही पृ. 29
3. वही पृ. 29
4. युगमंच - द्वारा : इन्तखाब, मल्लीताल, नैनिताल (उत्तरांचल)
6. वही